नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

गांधी और उनकी समसामयिक प्रासंगिकता:समाज, संस्कृति और स्वराज विषय पर त्रि दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद मंगलवार से

- **हिंदी विश्वविद्यालय और भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद का आयोजन**
- **बुधवार को बापू कुटी में होगा अकादमिक सत्र**

वर्धा, दि. 19 अगस्त 2019 : भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के संयुक्ततत्वावधान में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 20, 21 और 22 अगस्त को 'गांधी और उनकी समसामयिक प्रासंगिकता :समाज, संस्कृति और स्वराज' विषय पर हिंदी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया जा रहा है। परिसंवाद का उदघाटन डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी भवन के कस्तूरबा सभागार में प्रात: 10 बजे कुलपति प्रो.रजनीश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में किया जाएगा । उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.सतीश चंद्र मित्तल उपस्थित रहेंगे। बीज वक्तव्य प्रो.रामजी सिंह देंगे तथा सारस्वत अतिथि के रूप में डॉ. बाल मुकुंद पाण्डेय उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का उदबोधन भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो.अरविंद जामखेडकर एवं सदस्य सचिव प्रो.कुमार रतनम् देंगे।

उदघाटन समारोह के बाद प्रथम अकादमिक सत्र की अध्यक्षता प्रो.सरदेंदु मुखर्जी करेंगे। इस सत्र में डॉ.नीलिमा वशिष्ठ ' महात्मा गांधी-रवींद्रनाथ टैगोर संवादकी समसामयिक भारतीय समाज में प्रासंगिकता ' विषय पर डॉ. विश्वनाथ मिश्र ' सर्वात्मवादी राष्ट्रवाद की अन्तर्यात्रा : टैगोर,अरविंद और गांधी ' विषय पर तथा डॉ.देविमित्रा कर ' व्यक्ति,समुदाय और राष्ट्र : गांधी-टैगोर से संदर्भ में ' विषय पर वक्तव्य देंगे। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति विभूति नारायण राय करेंगे। इस सत्र में प्रो. हितेंद्र कुमार पटेल, प्रो. गिरीश चंद्र पाण्डेय तथा डॉ. शुभनीत कौशिक वक्तव्य देंगे। तृतीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानंद जोशी करेंगे। इस सत्र में प्रो. सुधीर कुमार,श्री अनंत विजय एवं डॉ. अनिल उदबोधन देंगे। सायं 6.30 बजे सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा।

परिसंवाद के दूसरे दिन (21 अगस्त) के सभी कार्यक्रम सेवाग्राम आश्रम,बापू कुटी में होंगे। प्रात: 9.15 बजे से वृत्त चित्र के प्रदर्शन से कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जी गोपीनाथन की अध्यक्षता आयोजित सत्र में प्रो.दिनेश सिंह, डॉ.अवकाश जाधव एवं डॉ.विक्रांत शर्मा अपने वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे। पंचम सत्र की अध्यक्षता प्रो.राम प्रकाश द्विवेदी करेंगे। सत्र में प्रो.आनंद कुमार, प्रो. नमिता निंबालकर एवं डॉ.वीनू पंतअपने विचार रखेंगे। पष्ठ सत्र की अध्यक्षता प्रो.हिंमांशु चतुर्वेदी करेंगे। डॉ. सुषमा शर्मा, प्रो. वी. के. वशिष्ठ एवं राजेश कुमार वक्तव्य देंगे। अध्यक्षीय उदबोधन के बाद 4.30 बजे से आश्रम दर्शन,प्रार्थना सभा और वृत्त चित्र प्रदर्शन का आयोजन होगा।

22 अगस्त का आयोजन हिंदी विश्वविद्यालय के गालिब सभागार में किया जाएगा। सप्तम सत्र की अध्यक्षता प्रो.वी.के. वशिष्ठ करेंगे। प्रो.के.एम.मालती, प्रो.पुष्पा मोतियानी एवं देवजानी चक्रबोर्ती अपने वक्तव्य रखेंगे। अष्ठम सत्र की अध्यक्षता प्रो.पुष्पा मोतियानी करेंगी तथा डॉ.शैलेश कुमार मिश्र, प्रो.मेधा तापियावाला एवं डॉ.सुरेश कुमार वक्तव्य देंगे। नवम सत्र की अध्यक्षता डॉ.रवि खानगी करेंगे। सत्र में डॉ. ऐंजला गंगमई, डॉ.रवि शेखर सिंह, एवं डॉ.राणा सोनिया तेजबहादुर वक्तव्य देंगे।

परिसंवाद के समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो.कुमार रत्नम करेंगे। इस सत्र में वक्ता के रूप में प्रो.अशोक मोडक,मुंबई, राघवशरण शर्मा,वाराणसी, प्रो. वी. के.वशिष्ठ,राजस्थान वक्तव्य देंगे।